*** अ नु क्र म णि का ***

अध्याय प्रथम : **"जीवनवृत्त – व्यक्तित्व तथा कृतित्व"**

- निरालाजी का व्यक्तित्व
- जन्म
- विवाह
- कवि जीवन का प्रारंभ
- निरालाजी की काव्यकृतियाँ
- निरालाजी की काव्य कृतियों का विश्लेषण

अध्याय द्वितीय : **"लंबी कविताएँ – प्रेरणा एवं स्त्रोत"**

- साहित्यिक और राष्ट्रीय प्रेरणा
- धार्मिक स्त्रोत
- सामाजिक प्रेरणा
- राजनैतिक प्रेरणा
- सांस्कृतिक प्रेरणा
- काव्य हेतु
- कल्पनाद्वारा रुप विधान
- काव्य प्रेरणा और विकास

अध्याय तृतीय : **"लंबी कविताएँ – प्रेम और वेदना के निकष"**

- नायिका के शरीर सौंदर्य का वर्णन
- प्रेम का भावात्मक रुप
- प्रेम और वेदना का प्रतीकात्मक रुप
- सेवाजन्य प्रेम का रुप
- निराला के प्रेम और वेदना में वैयक्तिकता

अध्याय चतुर्थ : **"लंबी कविताएँ – भक्ति निरुपण के निकष"**

- निरालाजीपर विभिन्न प्रभाव
- लंबी कवितामें किया भक्तिद्वारा उपदेश

- निराला के सगुण ईश्वर
- महामाया अथवा शक्ति की उपासना
- सरस्वती की वंदना
- राम तथा कृष्ण की आराधना
- भक्त भगवान का संबंध
- निराला के भक्तिपरक गीतोंका विवेचन

अध्याय पंचम : **"लंबी कविताएँ – राष्ट्रीय – सांस्कृतिक चेतना के निकष"**

- निराला के काव्य का सांस्कृतिक धरातल
- राष्ट्रीयता का गौरव गान
- लंबी कविताओं का राष्ट्रीय–सांस्कृतिक धरातल

अध्याय षष्ठ : **"लंबी कविताएँ – नव्य शिल्पके निकष"**

- भाषा
- प्रतीक और बिंब
- अलंकार
- छंद
- संगीत
- कल्पना
- काव्यरुप
- काव्यगुण

अध्याय सप्तम : **"समापन"**

xxxxxxxxxx 0000000 xxxxxxxxxx